VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M-2
N
01 JUL 2023
No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2418)

Name of Candidate	VIPIN DUBEY		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	584126
Center	MUKHERJEE NAGAR	Date	01-07-23

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. विजयनगर साम्राज्य की मूर्तियों में अंतर्निहित प्रमुख लक्षणों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
Elaborate on the key traits inherent to the sculptures of the Vijayanagara Empire. (Answer in 150 words) 10

12वीं-14वीं शताब्दी के मध्य विजयनगर साम्राज्य का उद्भव एवं विस्तार हुआ। इस साम्राज्य के राजाओं ने विभिन्न कलाओं जैसे चित्रकला, स्थापत्य कला, मूर्तिकला एवं अमूर्त कलाओं के उत्थान हेतु विशेष योगदान दिया।

विजयनगर साम्राज्य
↓
संगम – सुलुव – तुलुव – अरावीडु (हम्पी)

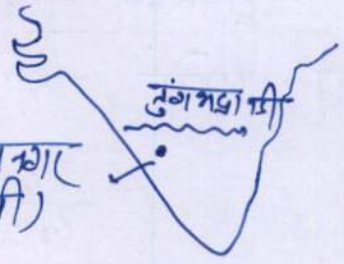

मूर्तियों में अन्तर्निहित प्रमुख लक्षण –

① अलंकरण पद्धति → मूर्तियों के अलंकरण उच्च कोटि के हैं।
→ प्राकृतिक एवं रासायनिक रंगों का प्रयोग हुआ है

② विषयों का वैविध्य
→ धार्मिक – देवताओं की मूर्तियाँ
→ प्राकृतिक – पशु-पक्षी, वन, नदी आदि की मूर्तियाँ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ राजा, रानी एवं सेना की मूर्तियाँ

③ सामान्यतः मूर्तियों में संगमरमर का उपयोग किया गया है।

④ मुख्य मंदिर जैसे - विट्ठल स्वामी का मंदिर, हजारा मंदिर, पंपापति मंदिर में ~~इसमें~~ अनेक मूर्तियाँ हैं।

⑤ ये मूर्तियाँ सामाजिक जीवन के विविध पक्षों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

अतः विजयनगर की मूर्तियों ने भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के विविध पक्षों को समृद्ध किया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. महिला क्रांतिकारियों ने भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में साहसिक और अविस्मरणीय योगदान दिया है। चर्चा कीजिए।

Women revolutionaries made brave and unforgettable contributions to the freedom struggle in India. Discuss. (Answer in 150 words) 10

भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष (1885 - 1947) के तीसरे चरण (गांधीवादी) चरण में महिला क्रांतिकारियों ने पुरुषों के समान साहसिक कार्य किये।

महिला क्रांतिकारियों के योगदान

① **बीना दास** → बीना दास ने अपने साहस का परिचय देते हुए ब्रिटिश अधिकारी पर गोली चलायी।

② **प्रीतिलता वाडेदार** → अपने साहस के दम पर उन्होंने महिलाओं को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने हेतु प्रेरित किया।

③ **कल्पना दत्ता** → सूर्यसेन के साथ ही इस महिला क्रांतिकारी ने कई वर्ष जेल में बिताए।

④ **शांति घोष एवं सुनीति सिंह** → इन छात्राओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ने अंग्रेज शासन का विरोध करने हेतु सशस्त्र विद्रोह किया।

⑤ इन युवा क्रांतिकारियों के अदम्य साहस ने ही सविनय अवज्ञा आंदोलन में महिला भागीदारी को बढ़ावा दिया।

⑥ अंग्रेजों पर दबाव डालने एवं राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने में भी इनकी भूमिका प्रमुख रही।

कहा जा सकता है कि क्रांतिकारी महिलाओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर स्वतंत्रता की राह आसान कर दी।

3. चर्चा कीजिए कि अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत ने किस प्रकार देश में उपनिवेशवाद विरोधी प्रवृत्ति को मजबूत करने में सहायता प्रदान की है।

Discuss how the introduction of English education in India by the British helped strengthen anti-colonialism in the country. (Answer in 150 words) 10

भारत को उपनिवेश बनाने के पश्चात यहाँ के प्रशासन को सुचारू रूप से चलाने हेतु अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत हुयी। इसके लिए विभिन्न आयोग का गठन हुआ।

विभिन्न आयोग →
- वुड डिस्पैच (1853)
- हंटर आयोग
- थामस रैले आयोग
- सैडलर कमीशन

उद्देश्य

① उपनिवेशवादी प्रवृत्ति का विकास।
② भारतीय संस्कृति की आलोचना।
③ राष्ट्रवाद को कमजोर करना
④ भाषा, रहन-सहन, पहनावा आदि में पाश्चात्य अनुकरण।

हालांकि यह शिक्षा उपनिवेशवाद को कमजोर करने लगी।

① नवमध्यम वर्ग का उदय → पत्रकार, वकील, इंजीनियर आदि वर्गों का उदय हुआ इन्होंने राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) तार्किकता, विश्लेषण, विश्लेषण का उदय
↳ इसके आधार पर धन निर्गमन का सिद्धांत दिया गया
↳ Essay on Indian Economy, Economic History of India जैसे पुस्तक लिखे गए

(4) क्षेत्रीय दलों का उदय
↳ पुना सार्वजनिक सभा, इंडियन एसोसिएशन, मद्रास महाजन सभा → राष्ट्रवाद की मजबूती

(5) विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका में सुधार का दबाव
↳ राष्ट्रीय हितों की रक्षा

(6) अंग्रेजी भाषा ने विश्व के अन्य देशों के साथ बातचीत आसान की

अतः अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीय राष्ट्रवाद की जड़ों को और मजबूत किया जिसने औपनिवेशिक सत्ता को कमजोर किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. 20वीं सदी के अंत में सोवियत संघ के विघटन का भारत पर दूरगामी प्रभाव पड़ा है। चर्चा कीजिए।

The disintegration of the Soviet Union in the late 20th century had a profound impact on India. Discuss. (Answer in 150 words) 10

सोवियत संघ एवं भारत के मध्य 1971 में मैत्री संधि पर हस्ताक्षर हुआ। उसके बाद से ही दोनो देशों के मध्य मधुर संबंध थे।

सोवियत संघ के विघटन का भारत पर प्रभाव

1) अमेरिका के साथ संबंधो में सुधार
   - तकनीकी आवश्यकता
   - हथियारों की आवश्यकता
2) व्यापारिक क्षेत्रों में भी विविधता को बढ़ावा मिला।
3) परमाणु शक्ति का परीक्षण
4) इजरायल के साथ संबंधों में सुदृढ़ता आयी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) भारत ने आत्मनिर्भरता के प्रयास प्रारंभ किये।

(6) गुटनिरपेक्षता एवं पंचशील के सिद्धांत कमजोर हुए।

अतः सोवियत संघ का विघटन ने भारत पर दूरगामी प्रभाव डाला।

5. मौजूदा मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, भारत में शहरी अवसंरचना और परिवहन (मोबिलिटी) सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर लैंगिक दृष्टिकोण से चर्चा कीजिए।

In view of the prevailing issues, discuss the need for reforming the urban infrastructure and mobility services in India through a gender lens. (Answer in 150 words) 10

शहरी अवसंरचना एवं परिवहन सेवाएँ शहरीकरण के महत्वपूर्ण आयाम हैं जिससे शहर के आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय पक्ष भी जुड़े होते हैं।

शहरी अवसंरचना एवं परिवहन सेवाओं में सुधार की आवश्यकता : लैंगिक दृष्टिकोण

① शहरी अवसंरचना : लैंगिक दृष्टिकोण

(क) स्कूल, कॉलेज एवं सार्वजनिक संस्थानों में महिलाओं के लिए 'WASHROOM' की सुविधा।

(ख) 'Lift' का प्रयोग

(ग) CCTV कैमरों के द्वारा निगरानी

(घ) शिकायत के लिए मजबूत कानूनी तंत्र।

(ङ)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परिवहन सुधार : लैंगिक दृष्टिकोण

① महिलाओं के लिए 'पिंक बस' जैसी सुविधा।

② छेड़खानी जैसी समस्याओं को रोकने हेतु 'पिंक बूथ' को बढ़ाना
   ↳ महिला सहायता हेतु पुलिस।

③ मेट्रो के तर्ज पर 'महिला सीटों' का आरक्षण।

④ महिला ड्राइवर, 'महिला कंडक्टर' की संस्कृति को बढ़ाना

⑤ ऑनलाइन, सशस्त्र एवं सुदृढ़ शिकायत तंत्र का होना।

सतत विकास लक्ष्य - 6 एवं 11 को समन्वित करने हेतु एवं नीति निदेशक तत्व में निहित महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु शहरी सुविधा को लैंगिक दृष्टिकोण से विकसित करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. भारत में, 2011-21 में वृद्धजनों की जनसंख्या की वृद्धि दर सामान्य जनसंख्या की वृद्धि दर से लगभग तीन गुना थी। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि वृद्धजनों हेतु नीतियों का निर्माण भारत के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू क्यों है।

In India, the rate of growth of elderly population in 2011-21 was about three times the rate of growth of the general population. In this context, discuss why policies for the elderly are a crucial aspect for India's overall development. (Answer in 150 words) 10

वर्तमान में भारत में वृद्धों की संख्या कुल जनसंख्या का 8.6% हैं ऐसे में वृद्धजनों की सुरक्षा, सेवा एवं सशक्तिकरण समग्र विकास हेतु आवश्यक है।

वृद्धों की जनसंख्या वृद्धि: कारण

1. स्वास्थ्य की उत्तम दशा।
2. जन्म दर का मृत्यु दर से अधिक होना।
3. सरकार के विभिन्न प्रयास।

वृद्धजनों हेतु नीति निर्माण की आवश्यकता

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद-41 के दायित्वों की पूर्ति
   - ↳ वृद्धजनों को लोकसहायता पाने का अधिकार

(2) वृद्धजनों में बढ़ती अवसाद, एकाकीपन, एवं आत्महत्या की समस्या।
↳ 'ओल्ड एज होम' की संस्कृति

(3) वृद्धजन भारतीय परम्परा एवं संस्कृति के अग्रदूत हैं।

(4) उपभोक्तावादी संस्कृति का विकास
↳ इस कारण वृद्धों को तुलना नहीं दी जा रही है— आर्थिक रूप से उत्पादक नहीं हैं।

आगे की राह
→ वृद्धजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून, चर्चाएं हों।
→ राष्ट्रीय नीति का निर्माण
→ वृद्धों के लिए NGO's को बढ़ावा।

वृद्धजन प्रत्येक राष्ट्र के अनुभव एवं संस्कृति के कुंजी हैं। इसलिए उन्हें संरक्षित रखना एवं सम्मान देना हमारा कर्तव्य है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. यद्यपि वैश्वीकरण मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार है, तथापि यह मानवाधिकार आंदोलनों को इसके अतिक्रमण और नकारात्मक प्रभावों का मुकाबला करने की अनुमति देता है। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ सविस्तार वर्णन कीजिए।

While globalisation is allegedly responsible for human rights violations, it allows human rights movements to counter its excesses and negative effects. Elaborate with relevant examples. (Answer in 150 words) 10

वैश्वीकरण एक ऐसी संकल्पना है जिसमें विश्व के सभी सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक, पर्यावरणीय मूल्यों आदि में एक ही पटल पर आ जाते हैं।

मानवाधिकारों के लिए जिम्मेदार

① आर्थिक दृष्टि में
→ आर्थिक विकास में गति → लोगों का विस्थापन

② इंटरनेट शटडाउन
→ IT क्षेत्र का विकास → सूचना क्रांति → संप्रभुता को खतरा

③ पर्यावरणीय अधिकारों का उल्लंघन।

④ महिला के प्रति विभिन्न अपराध
→ एसिड अटैक, वेश्यावृत्ति, ऑनर किलिंग, यौन उत्पीड़न

⑤ लिव इन रिलेशन संकल्पना
→ घरेलू हिंसा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वैश्वीकरण : मानवाधिकार को बढ़ावा भी देता है –

① पर्यावरणीय अधिकार → पेरिस सम्मेलन, IUCN जैसी संस्थाएँ, NGO's → WWF

② अंतर्राष्ट्रीय दबाव → अल्पसंख्यकों के प्रति दुर्भावना → पाकिस्तान में हिंदू एवं सिख के प्रति हिंसा

③ महिला अधिकार → बीजिंग सम्मेलन, G-20 में महिला अधिकारों हेतु बैठक।

④ LGBTQ → इनके अधिकारों को राज्य एवं समाज द्वारा मान्यता।

⑤ NGO's का दबाव → Reporter without Border - free speech हेतु

अतः वैश्वीकरण ने मानवाधिकारों को बढ़ावा भी दिया है जबकि कई स्थानों पर इसके उल्लंघन का कारण भी बनी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. हिमालय की वर्तमान अपवाह प्रणाली काफी हद तक क्रमिक नदी अपहरण का परिणाम है। चर्चा कीजिए।

The present drainage system of the Himalayas is, to a great extent, the result of progressive river piracy. Discuss. (Answer in 150 words) 10

हिमालय की नदियाँ वर्ष भर जल धारण करती हैं। गंगा, यमुना, गंडक, कोसी, रामगंगा आदि नदियाँ क्रमिक अपवाह का उदाहरण हैं।

क्रमिक नदी अपहरण का आशय है; उसी मार्ग को बहते जाना, जिसमें पहले अपवाह हो रहा था

क्रमिक नदी अपहरण का कारण

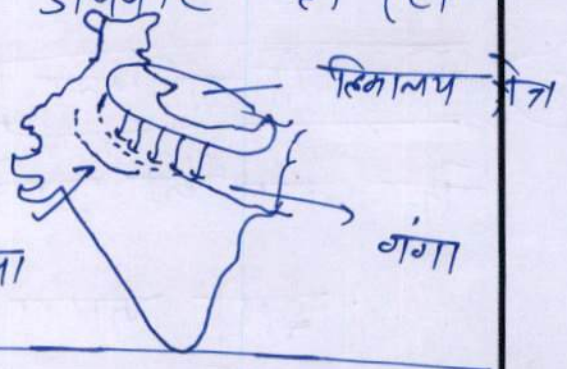

① **नवीनता** → हिमालय का निर्माण अभी पूर्ण नहीं हुआ है जैसा कि प्रायद्वीपीय पठार में दिखता है

② **सदावाहिनी** → ये नदियाँ सदावाहिनी हैं। → इसलिए गॉर्ज, गहरे खड्ड आदि का निर्माण करती हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ **जलग्रहण** → अत्यधिक जल ग्रहण के कारण सामने के चट्टानों को तोड़ देती हैं। → **ब्रह्मपुत्र**

④ **ढाल** → इन नदियों को निश्चित ढाल मिलता है।

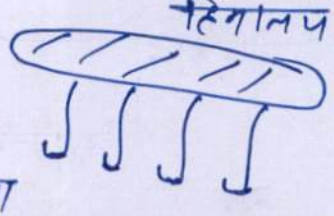

प्रवणता के कारण ये निश्चित मार्ग घाघरा गंडक कोसी बनाती हैं।

⑤ **हिम की अधिकता** → हिम पिघलने से जल की प्राप्ति।

इसी कारण से हिमालय की वर्तमान अपवाह प्रणाली मुख्यतः क्रमिक नदी अपहरण का परिणाम है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. बहुधात्विक ग्रंथिकाओं (पॉलिमेटेलिक नोड्यूल्स) के भौगोलिक वितरण का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, उनके महत्व पर चर्चा कीजिए।

Illustrate the geographical distribution of polymetallic nodules and discuss their significance. (Answer in 150 words) 10

बहुधात्विक ग्रंथिकाएँ सागरीय क्षेत्रों में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण खनिज है जिसमें धातुओं का बहुतायत है।

ये मुख्यतः सागरीय क्षेत्रों में मिलते है –

① हिंद महासागर → अरब सागर में
② प्रशांत महासागर
③ आर्कटिक एवं अंटार्कटिक क्षेत्र में
④ अटलांटिक सागर में
⑤ भूमध्य सागर में
⑥

महत्व

① ये नोड्यूल्स भवनों के निर्माण में सहायक है।
② सामान्यतः इनकी कीमत अधिक है
↳ अत्यधिक गुणवत्ता है।

(3) ये ग्रंथिकाएँ धातुओं के मिश्रण के प्राकृतिक स्रोत हैं।

(4) मजबूत होने के कारण इनका निर्माण उपकरण में किया जा सकता है।

(5) इनमें लचीलापन होता है
↳ सड़कों के निर्माण में सहायक

(6) आधुनिक अवसंरचना के विकास में

(7) पृथ्वी के प्रकृति के अध्ययन में

अतः बहुधात्विक ग्रंथिकाएँ बहुउद्देशीय होती हैं। इनका उपयोग अनेक क्षेत्रों में हो सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. द्वीपसमूह से आप क्या समझते हैं? इनके निर्माण में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं को उदाहरण सहित समझाइए।

What do you understand by archipelagos? Explain the different processes involved in their formation, with examples. (Answer in 150 words) 10

द्वीपसमूह से आशय द्वीपों के समूह से है। जैसे इंडोनेशिया द्वीपसमूह, फिलीपीन्स द्वीपसमूह।

द्वीपसमूह में छोटी-छोटी द्वीपे कुछ-कुछ अन्तरालों पर बनती हैं। और इनके मध्य सागरीय जल होते हैं।

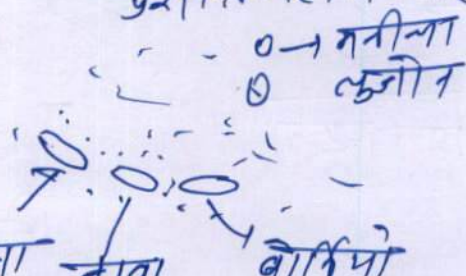

निर्माण

① जब सागरीय प्लेट अभिसरण करते हैं तो कम घनत्व के प्लेट में वलन की क्रिया होती है जिससे द्वीपीय चाप एवं तोरण बनते हैं।

→ द्वीपसमूह

प्रशांत सागर के द्वीप इसी से बने हैं।

(2) जब प्लेटों में अपसरण होता है तो उनके मध्य के दरार के सहारे भी द्वीप बनते हैं।

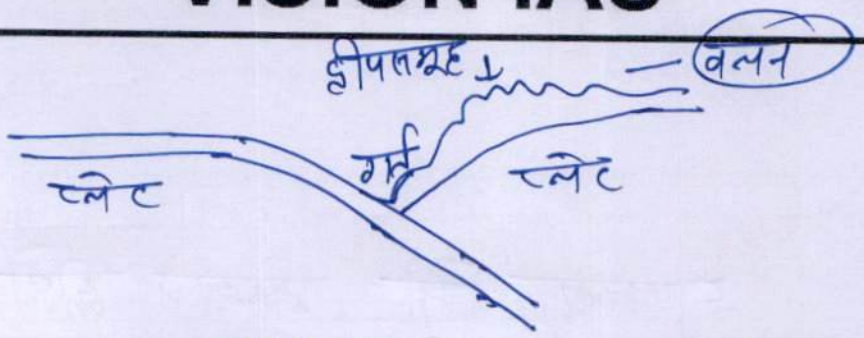

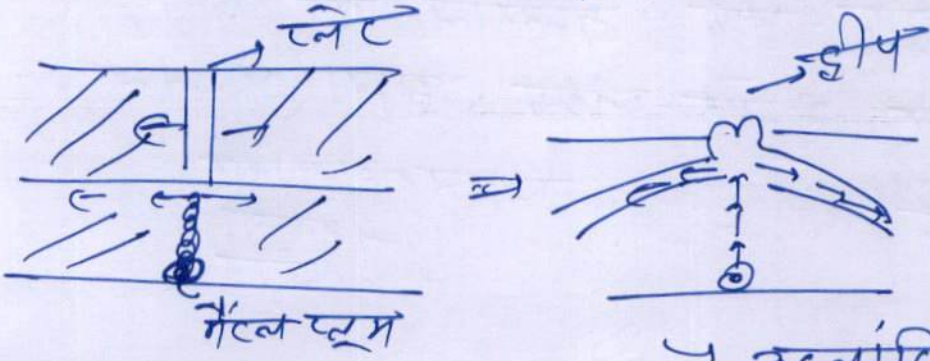

इस प्रकार द्वीपों का निर्माण प्लेट विवर्तनिकी प्रक्रिया के द्वारा होता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. भारत में जनजातीय और लोक कलाएं अपने अस्तित्व को बनाए रखने हेतु आधुनिक युग की कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा प्रारंभ की गई विभिन्न पहलों को रेखांकित कीजिए।

Tribal and folk arts in India are confronting several challenges of the modern age in a bid to survive. Discuss. Also, highlight the various initiatives taken by the government in this regard. (Answer in 250 words) 15

भारत में जनजातीय एवं लोक कलाएँ परम्परा को सुदृढ़ता प्रदान करती हैं। इससे भारतीय समाज में मूर्त एवं अमूर्त संस्कृति की महान विरासत की स्थापना होती है।

जनजातीय एवं लोक कलाएँ

① **पेंटिंग्स** — मधुबनी, मंजूषा, वर्ली चित्रकला, कालीघाट, राजस्थान में बनी-ठनी इत्यादि।

② **संगीत** — कजरी, ब्रज संगीत, आल्हा, बिरहा, ध्रुपद इत्यादि

③ **नृत्य** — लोकनृत्य → कजरी, मणिपुरी, इत्यादि

④ **भाषा** — तुलू, आदि

⑤ **मार्शल आर्ट** — कलारीपयट्टू

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ

① वैश्वीकरण → इससे पाश्चात्य कलाएँ देश पर हावी हुयी हैं।

② उपभोक्तावादी संस्कृति → कला की पवित्रता की जगह, कला को लोगों के आकर्षण का विषय बनाया जाता
→ प्रकृति पूजा के स्थान पर प्रकृति का विनाश हो रहा है।

③ प्रयोक्ताओं के संख्या में कमी
→ घटती जनसंख्या

④ सरकार के समर्थन का अभाव
→ सामान्यतः अनदेखी

⑤ नवीनता का अभाव
→ इन कलाओं में केवल परंपराए ही हैं, नवीन दृष्टि का अभाव है।

⑥ मौद्रिक समस्या
→ मौद्रिक समस्या के कारण प्रदर्शनी नहीं लगायी जा रही है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत सरकार की पहल

(1) हुनर हाट का आयोजन
↳ पारंपरिक कलाओं के संरक्षण पर बल

(2) 15 अगस्त, 26 जनवरी को ऐसी कलाओं का प्रदर्शन

(3) पद्म पुरस्कारों में ऐसे लोगों को वरीयता।

(4) विभिन्न सर्किट का संचालन

(5) आर्टिकल 49 में संरक्षण का प्रावधान।

(6) स्वदेश दर्शन में इन कलाओं को वरीयता

(7) प्रसाद योजना

आगे की राह → वन डिस्ट्रिक्ट वन आर्ट की शुरुआत करनी चाहिए
विशेष नीति एवं बजट आयोग का निर्माण

भारतीय संविधान के आर्टिकल 51 A (f) में भारत के सांस्कृतिक की सामासिक गौरवशाली परंपरा के संरक्षण का प्रावधान है; हमें अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए इसका संरक्षण करना चाहिए

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की विशिष्ट विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि ये नृत्य किस प्रकार आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति हैं।

Highlight the distinguishing features of Indian classical dances. Also, discuss how these dances are a manifestation of spirituality. (Answer in 250 words) 15

भारतीय नृत्य परंपरा अत्यंत विशिष्ट है। इसमें उत्तर भारत, दक्षिण भारत एवं उत्तर पूर्वी भारत सभी स्थानों पर यह परंपरा दिखती है।

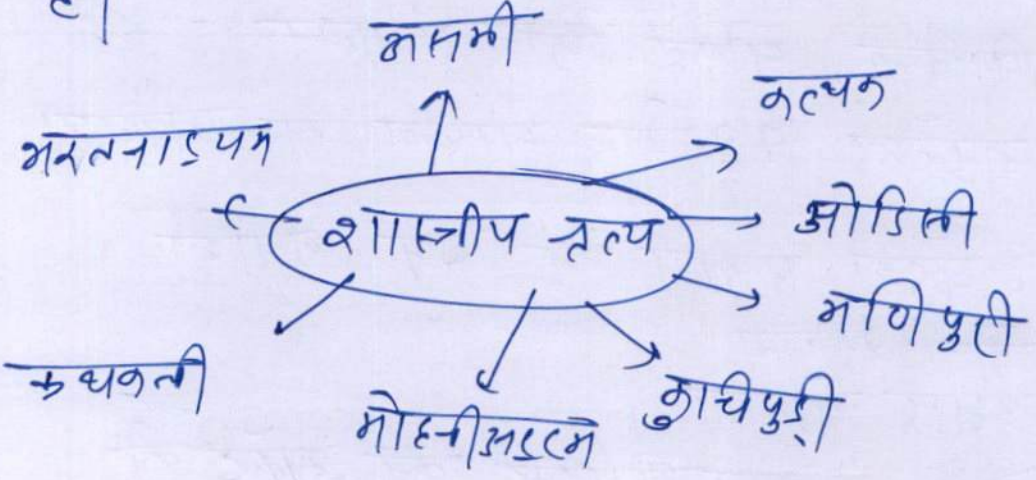

शास्त्रीय नृत्य ऐसे नृत्य हैं जिनकी 4000-5000 वर्ष पूर्व पुरानी परम्परा है।

विशेषताएँ

① मन्दिरों में विकास

↳ इन नृत्यों का विकास मुख्यतः मन्दिरों में हुआ है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) **प्रयोजन** → वन सभी नृत्यों का प्रयोजन अपने आराध्य से संवाद करना है।

(3) **साज-सज्जा** → नर्तकों की साज-सज्जा उच्च कोटि की होती है।

(4) **प्रदर्शनी** → कुछ नृत्यों की प्रदर्शनी दोनों लिंग के लोग करते हैं, कुछ स्त्रियों अथवा पुरुषों के लिए है।

(5) **प्रकृति** → वन नृत्यों में प्रकृति का विशेष महत्व है, नर्तक प्रकृति से संवाद भी करते हैं।

(6) **नायकों का निरूपण** → नृत्य के माध्यम से।

आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति

(1) शिवजी लास्य नृत्य, तांडव नृत्य आध्यात्म से संबंधित है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) इनका आयोजन सामान्यतः मंदिरों में होता है।
↳ आध्यात्मिक स्थल

(3) आराध्य को समर्पित
↳ मणिपुरी संकीर्तन - वैष्णव पद्धति
शंकरदेव के नामघर पद्धति पर आधारित।

(4) ध्रुपद नृत्य में देवदासियाँ पूर्णतः आराध्य को समर्पित होती हैं।
↳ मीराबाई के नृत्य में कृष्ण के प्रति समर्पण

(5) ये सामान्यतः आध्यात्मिक नाटक पर आश्रित होते हैं।

अतः भारतीय शास्त्रीय नृत्य आध्यात्मिकता से जुड़े हुए हैं एवं नृत्य के द्वारा भी आध्यात्मिक शान्ति प्राप्त होती है।

13. चौरी-चौरा की घटना द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की गति को कुछ समय के लिए धीमा कर देने के बावजूद, असहयोग आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में बना रहा है। चर्चा कीजिए।

Despite the Chauri Chaura incident slowing down the momentum of Indian freedom struggle for a while, the Non-Cooperation Movement remains a watershed in the history of the Indian freedom struggle. Discuss. (Answer in 250 words) 15

असहयोग आन्दोलन भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। 1920 में इसके प्रारंभ से 1922 तक में इसने ब्रिटिश साम्राज्य को झकझोर दिया। 5 फरवरी 1922 को चौरी-चौरा घटना के पश्चात इसे वापस ले लिया गया।

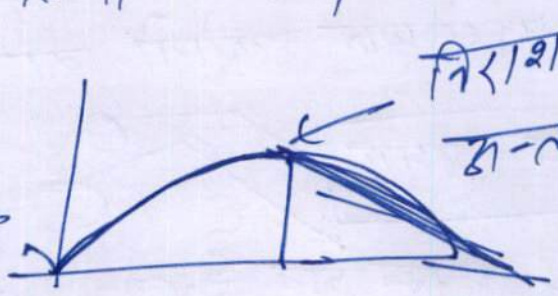

महत्व : असहयोग आन्दोलन

(1) बहिष्कार → विद्यार्थी परिषदों का
→ सरकारी शिक्षण संस्थान, कचहरी, पदवों का, नौकरियों का
→ प्रिंस ऑफ वेल्स की यात्रा का विरोध

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ रायबहादुर ने नाइटहुड की एवं गांधी जी ने 'कैसर ए हिन्द' की उपाधि वापसी की

↳ विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार

(2) रचनात्मक कार्य

↳ छुआछूत की निंदा

↳ चरखा चलाने, सूत कातने को बढ़ावा

↳ स्वदेशी शिक्षण संस्थान की स्थापना

- काशी विद्यापीठ, जामिया मिलिया

↳ परंपरागत उद्योगों का पुनर्जीवन

(3) क्षेत्रीय प्रसार

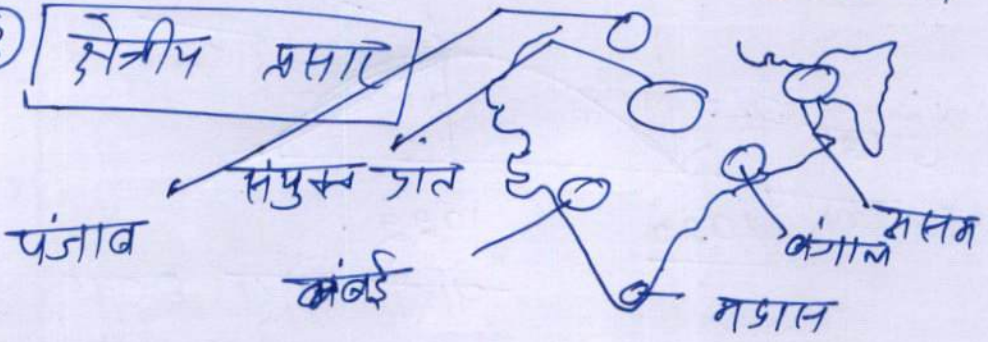

हालांकि चौरी चौरा ने इसके गति पर रोक लगा दी –

(1) आंदोलन को गांधी जी ने वापस ले लिया।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② इसके साथ ही गाँधी जी को गिरफ्तार कर लिया गया।

③ स्वराज पार्टी के गठन एवं विधायी परिषद में सुधार के प्रयास हुए।

④ सविनय अवज्ञा आंदोलन तक कोई बड़ा आंदोलन नहीं हुआ।

हालांकि यह गाँधी जी के संघर्ष विराम संघर्ष की नीति थी। यही कारण है कि गाँधी जी ने तत्कालीन मानवीय स्थिति को समझते हुए आन्दोलन वापस ले लिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. शिक्षा और विदेशी मामलों के क्षेत्र में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को वर्णित कीजिए।

Bring out the contributions of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan in the fields of education and foreign affairs. (Answer in 250 words) 15

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्वतंत्र भारत के द्वितीय राष्ट्रपति थे इन्होंने शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिष्ठा के कारण शैक्षिक गतिविधियों में अनेक सुधार किए। साथ ही विदेशी मामलों में भी अतुल्य योगदान दिया।

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान

① **प्राथमिक शिक्षा** → प्राथमिक शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने एवं साक्षरता पर जोर दिया।

② **महिला शिक्षा** → महिला शिक्षा को वे राष्ट्रीय विकास हेतु आवश्यक मानते थे। इनका मानना था - Empowering women → Transforming Nation

③ **नैतिक एवं पर्यावरणीय शिक्षा** → कक्षाओं में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिकता एवं पर्यावरणीय प्रेम की शिक्षा महत्वपूर्ण हो। यह व्यक्तित्व के 'Holistic Development' के लिए आवश्यक मानते थे।

(4) **तकनीकी शिक्षा** → वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा के वे प्रबल समर्थक थे। IIT's, IIM के स्थापना के हिमायती थे।

(5) **प्रासंगिक एवं प्रायोगिक शिक्षा**
↳ कक्षाओं में प्रयोगात्मकता के द्वारा शिक्षा को रोचक एवं विश्लेषणात्मक बनाने पर जोर।

विदेशी मामलों में योगदान

(1) **पड़ोसी संबंध** → उनका मानना था कि पड़ोसियों के साथ संबंध दृढ़ होने चाहिए।

(2) **संप्रभुता एवं अखंडता का सम्मान**
↳ प्रत्येक देश को इसी देश की संप्रभुता एवं अखंडता का सम्मान करना चाहिए।

(3) गुटनिरपेक्षता → उन्होंने गुटनिरपेक्षता पर बल दिया।

(4) अफ्रो-एशियाई झुकाव → अफ्रीका एवं एशिया के देशों को विशेष महत्व

(5) पारस्परिकता का सिद्धांत → प्रत्येक देश से कुछ सीखने एवं कुछ सीखाने की अवधारणा।

(6) पंचशील के सिद्धांत का पालन

(7) UN में पर विश्वास दिखाना

अतः शिक्षा एवं विदेशी मामलों में डा० राधाकृष्णन ने अमिट छाप छोड़ी है जिसका प्रमाण हमें आज भी मिलता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. कृषि के नारीकरण को प्रेरित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध कीजिए तथा इसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, उन तरीकों का भी वर्णन कीजिए जिनके माध्यम से महिलाओं को इस संदर्भ में सशक्त बनाया जा सकता है।

Enumerate the factors driving feminization in agriculture and discuss its effects. Also, state the ways in which women can be empowered in this regard. (Answer in 250 words) 15

विगत एक दशक में कृषि के नारीकरण को बढ़ावा मिला है। कृषि के नारीकरण का आशय है - कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि।

कृषि का नारीकरण : कारण

① **प्रवास** → पुरुषों का आजीविका के लिए अन्य क्षेत्रों में प्रवास।

② **कृषि की अनुत्पादकता**
↳ कृषि की उत्पादकता में कमी होने के कारण पुरुष अन्य रोजगार की तलाश कर रहे हैं।

③ **एकल परिवार** → संयुक्त परिवार का टूटना
↳ पुरुष - स्त्री ~~का~~ दोनों का कृषि विपणन क्षेत्र में शामिल होना

④ **सोशल** की आवश्यकता नहीं
↳ लोगों को लगता है कि ~~महिलाएं~~

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ कृषि में कौशल की आवश्यकता नहीं है
↳ महिलाएं भी कौशल युक्त नहीं है

(5) आर्थिक क्रियाओं में शामिल होना
↳ शुरुआत कृषि से

प्रभाव → सकारात्मक

(1) उत्पादकता में वृद्धि।
(2) महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण।
(3) ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण।
(4) महिला किसान समूहों का उदय।
(5) उत्पादन में वृद्धि।
(6) मृदा संरक्षण को बढ़ावा मिला है।

नकारात्मक

(1) कृषि के नारीकरण के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण।
(2) अकुशल कार्यों में ही नारी को लगाना
(3) महिलाओं पर दोहरा भारभार
↳ पारिवारिक जिम्मेदारी
↳ कृषिगत जिम्मेदारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सशक्तीकरण का तरीका

① आसान ऋण की उपलब्धता
↳ बैंको से आसान धन मिलना।

② कौशल विकास
↳ वैज्ञानिक तरीके से कृषि करना

③ प्रसंस्करण को बढ़ावा
↳ प्राथमिक स्तर के प्रसंस्करण का प्रशिक्षण।

④ जैविक कृषि का प्रशिक्षण

⑤ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जानकारी
↳ वर्षा, बीज, आपदा संबंधी जानकारी को प्रदान करना।

⑥ महिला किसान समूह को अधिक महत्व देना।

अतः महिलाओं के कृषि में भागीदारी को अधिक उत्पादक बनाने हेतु आधुनिक उन्नत तरीकों पर जोर देना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. भारत में, आत्महत्या 15-29 आयु वर्ग के लोगों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक बन गई है। इसके लिए उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट करते हुए, राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों पर चर्चा कीजिए।

In India, suicide has become one of the leading causes of death among those aged 15-29. Bringing out the reasons behind the same, discuss the priority areas of the National Suicide Prevention Strategy. (Answer in 250 words) 15

15-29 आयु वर्ग के लोगों में अवसाद, एकाकीपन ने आत्महत्या को बढ़ावा दिया है जो जनसांख्यिकी लाभांश के लिए बुरा संकेत है।

आत्महत्या के कारण

① दबाव
- माता-पिता के उम्मीदों का दबाव
- प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने का दबाव
- समाज के उम्मीदों का दबाव

② शिक्षा पद्धति
- व्यावसायिकता पर आधारित सामूहिकता, सहिष्णुता का विनाश नहीं।
- परिणाम आधारित शिक्षा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ एकल परिवार → माता-पिता का बच्चों पर ध्यान नहीं
↓
अर्थोपार्जन में व्यस्त
→ एकाकीपन, अवसाद, निरर्थकता-बोध का उदय।

④ ऑनलाइन गेमिंग ब्लू व्हेल गेम के कारण।

⑤ सोशल मीडिया, इंटरनेट, मोबाइल
→ भौतिक दुनिया का लोपन
आभासी दुनिया का सृजन
बचपन का पूर्ण विकास नहीं।

⑥ कोटा जैसे स्थानों पर प्रतिस्पर्धा का उच्च स्तर।

राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति के प्राथमिकता वाले क्षेत्र -

① शिक्षा - राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का पूर्णतः पालन करना
→ विद्या के साथ-साथ अन्य कलाओं एवं खेल में रुचि को बढ़ावा देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) काउंसलिंग → नियमित रूप पर स्कूलों में बच्चों की काउंसलिंग हो।

(3) मनोदर्पण पहल के माध्यम से ऑनलाइन किसी भी समय बच्चे मनःस्थिति का वर्णन कर सकें।

(4) नियमित रूप पर पैरेंटस मीटिंग का आयोजन।

(5) बच्चों को प्रत्येक 6 महीने में एक पर्यटक स्थल पर ले जाना।

(6) नाटक, संगीत, नृत्य आदि का नियमित आयोजन करना।

बच्चे समाज के भविष्य हैं। संविधान का अनुच्छेद 39(f) बच्चों के हितों को सुरक्षित रखने हेतु राज्य का दायित्व निर्धारित करता है। अतः इस एजेंसी के द्वारा यह दायित्व पूरा किया जा सकता है।

17. विश्व भर में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के मरुस्थलों के निर्माण की व्याख्या करते हुए, उनका विवरण प्रस्तुत कीजिए और उनकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

Explaining their formation, provide an account of the various kinds of deserts found across the world along with their characteristics. (Answer in 250 words) 15

वर्ष भर उच्च तापमान एवं शुष्क दशाओं के कारण मरुस्थल का निर्माण होता है।

विभिन्न प्रकार के मरुस्थल

तटीय मरुस्थल	आन्तरिक मरुस्थल
① कैलिफोर्निया का मरुस्थल (मोजोव, सोनोरन)	- नेफुद, रब अल खाली
② अटाकामा का मरुस्थल-	- थार मरुस्थल
③ सहारा मरुस्थल	
④ कालाहारी, नामीबिया मरुस्थल	
⑤ ग्रेट बेसिन, सिम्पसन का मरुस्थल	

निर्माण की व्याख्या

① ग्रीष्म ऋतु में यहाँ निम्न वायुदाब का विकास होता है किन्तु व्यापारिक पवनें इन स्थानों तक पहुँचने पर आर्द्रता शून्य हो जाती हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) शीतकाल में उच्च वायुदाब के कारण प्रतिचक्रवातीय दशाएँ उत्पन्न होती हैं।
↳ पवनों के प्रतिकूल स्थिति

(3) छोटी जलधाराओं का विकास भी यहाँ मरुस्थलों के निर्माण को बढ़ावा देता है।

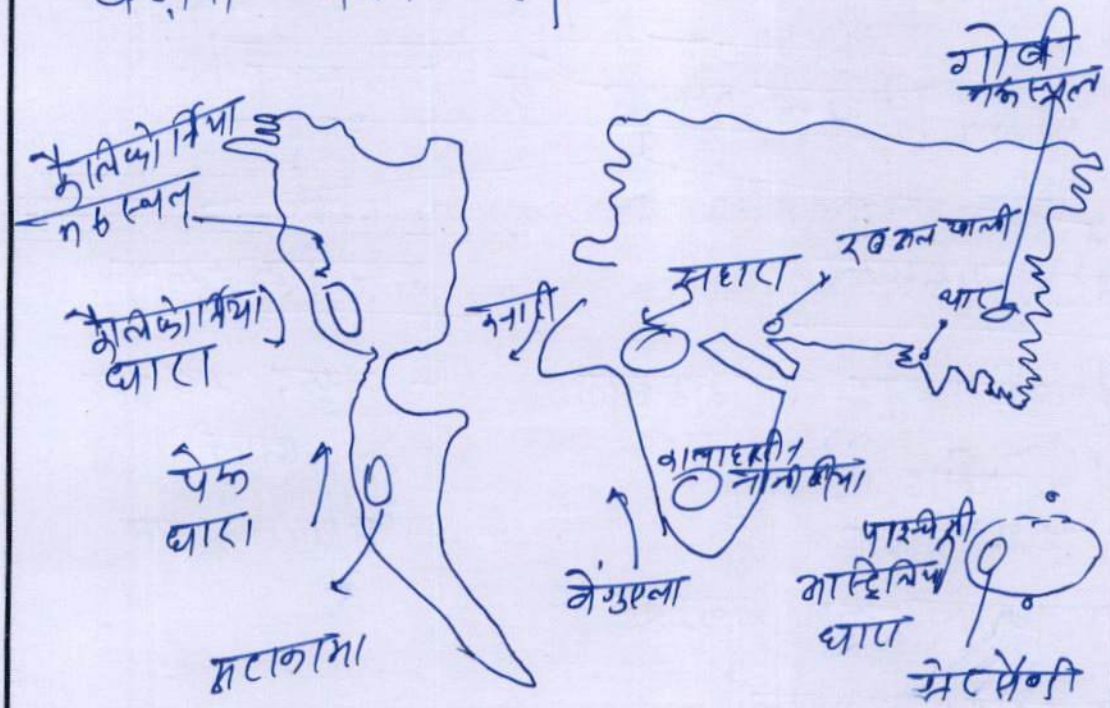

विशेषताएँ

(1) यह प्रकृति में गर्म एवं ठंडी मरुस्थल होती है।
↳ अक्षांश पर आधारित

(2) यहाँ कटीले वृक्ष मिलते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) जैव विविधता एवं उत्पादकता निम्न होती है।

(4) यहाँ बलुई प्रकार की मिट्टी का निर्माण होता है।

(5) यहाँ निम्न स्थलाकृतियाँ बनती हैं
↳ बरखान, रेत के टिब्बे आदि

(6) तापमान अधिक होने की वजह से प्रतिकूल जीवन दशाएँ होती हैं।

(7) पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देती है।

(8) सामान्यतः मोटे अनाजों की खेती यहाँ होती है।

अतः मरुस्थल विश्व के विभिन्न भागों में मिलते हैं जिसकी प्रकृति भी भिन्न-भिन्न होती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. भू-संचलन के कारण निर्मित झीलों का संक्षिप्त विवरण देते हुए, झीलों के आर्थिक और पारिस्थितिक महत्व पर चर्चा कीजिए।

Giving a brief account of the lakes formed due to Earth's movement, discuss the economic and ecological significance of lakes. (Answer in 250 words) 15

भू-संचलन से आशय मृदा से काट-छांट से संबंधित है।

अपक्षय	अपरदन
मिट्टी के कटाव एवं निक्षेपण भी उसी स्थान पर	मिट्टी का कटाव ↳ निक्षेपण किसी अन्य स्थान पर

भूसंचलन के कारण अनेक भू आकृतियों का निर्माण होता है। झील भी इसी से निर्मित होती है।

जैसे- गोखुर झील (झेलम नदी द्वारा निर्मित)

झीलों का विवरण

① पुलीकट झील - पूर्वी तट पर निर्मित पुलिकट झील तटीय अपरदन से निर्मित हुयी है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) [कोलेरू झील] – गोदावरी एवं कृष्णा के द्रोणी से कोलेरू झील का निर्माण हुआ है।

(3) [गोखुर झील] झेलम नदी से इस झील का निर्माण हुआ है

(4) [चिल्का झील] इस झील का निर्माण एवं इसकी लवणता समुद्री तट के जहाँ हुआ है

(5) [वुलर झील] – झेलम नदी के जहाँ इसका निर्माण हुआ है।

[आर्थिक महत्व]

(1) [नीली क्रान्ति] मत्स्य उत्पादन के लिए उपयोग

(2) [परिवहन], वुलर एवं डल झील में परिवहन का विकास हुआ है।

(3) [पुलीकट झील] के पास श्री हरिकोटा का विकास हुआ है ISRO का केन्द्र

(4) सिंचाई की सुविधा

पारिस्थितिकी महत्व

(1) पर्यटन - पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा
(2) मैंग्रोव को संरक्षण।
(3) मृदा संरक्षण के लिए उपयोगी।
(4) जैव विविधता को बढ़ाने में सहयोगी।
(5) अन्तर्राष्ट्रीय पक्षियों के लिए आश्रय स्थल।
(6) सूखा एवं बाढ़ के समय अत्यन्त उपयोगी।

अतः झील का संरक्षण आर्थिक एवं पारिस्थितिकी दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत के पास 1,80,000 मेगावाट महासागरीय तापीय ऊर्जा उत्पादित करने की क्षमता है, हालांकि, इस दिशा में प्रगति धीमी रही है। इस संदर्भ में, संबंधित चुनौतियों को रेखांकित कीजिए और सुधारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

India has the potential to generate 180,000 MW of ocean thermal energy, however, progress in this regard has been slow. In this context, highlight the associated challenges and suggest remedial measures. (Answer in 250 words) 15

भारत की भौगोलिक संरचना भारत को अन्य देशों से विशिष्ट बनाती है। 7500 km की तटीय संरचना महासागरीय तापीय ऊर्जा के लिए अनुकूल स्थितियाँ प्रदान करती है।

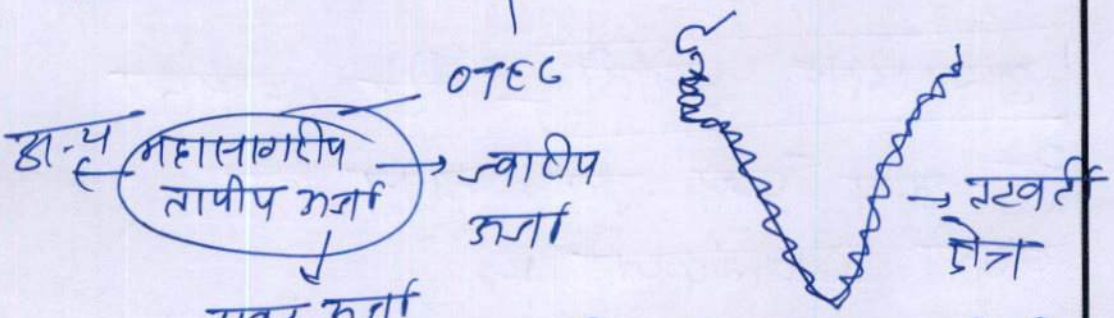

महासागरीय तापीय ऊर्जा की क्षमता -

(1) 7516 km की तटीय संरचना
(2) हिंद महासागर एवं अरब सागर का होना।
(3) IORA, IONS जैसी संस्थाएँ।
(4)

चुनौतियाँ

① तकनीकी चुनौती – ऊर्जा उत्पादन एवं संग्रहण में उच्च तकनीक की आवश्यकता है।

② वित्तीय चुनौती – इसमें अत्यधिक वित्तीय व्यवस्था की आवश्यकता होगी।

③ अवसंरचनात्मक चुनौती – ऊर्जा के उत्पादन के लिए द्वीप अवसंरचना की आवश्यकता होगी।

④ अंतर्द्वीप चुनौती – हिंद महासागर के अन्य देश एवं चीन की बढ़ती दखलंदाजी।

⑤ विभिन्न आयोगों की सिफारिशों के अनुरूप कार्य करना
↳ कस्तूरीरंगन, माधव गाडगिल समिति के अनुसार द्वीप क्षेत्रों में आधुनिक अवसंरचना का विकास नहीं।

⑥ OTEC ऊर्जा की अनियमितता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुधारात्मक उपाय

① प्रवर्तन अभाव | राष्ट्रीय नीति | इसके लिए एक समर्पित नीति होनी चाहिए।

② अंतर्राष्ट्रीय सहयोग | IONS, IORA, BIMSTEC जैसी संस्थाओं का उपयोग करना।

③ विश्व बैंक से ऋण प्राप्ति के प्रयास।

④ आधुनिक तकनीक के लिए जापान, अमेरिका के साथ सहयोग।

⑤ हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा को प्रभावी करना।

महासागरीय तापीय ऊर्जा भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकती है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा के संबंध में हमारी पेरिस सम्मेलन की प्रतिज्ञा भी पूरी कर सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. भारत में प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स की उपलब्धता का वर्णन करते हुए, उनके महत्व के साथ-साथ उनके अन्वेषण से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

Bringing out the availability of natural gas hydrates in India, discuss the promise as well as the challenges associated with their exploration. (Answer in 250 words) 15

भारत में प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स मुख्यतः हिमालयी क्षेत्रों में तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

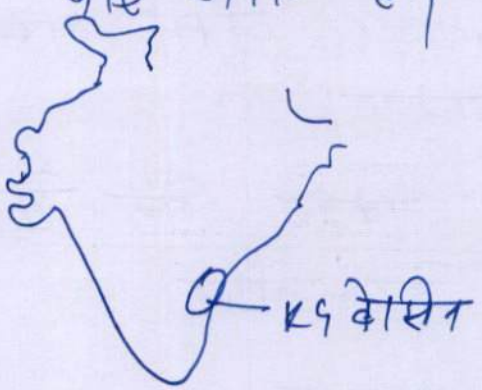

उपलब्धता

① कृष्णा - गोदावरी बेसिन में
② खंभात की खाड़ी
③ गंगा एवं सहायक नदियों के बेसिन में
④ ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय क्षेत्र में
⑤ बाम्बे हाई बेसिन में

गैस हाइड्रेट्स का महत्व

① ऊर्जा के क्षेत्र में ऊर्जा निर्भरता की प्राप्ति हेतु।
② कोयला, पेट्रोल पर निर्भरता में कमी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ ग्लासगो क्लाइमेट की प्रतिबद्धता पूरा करना
④ धन के पलायन पर रोक।
⑤ संसाधनों के उपयोग में सततता लाना।
⑥ प्रदूषण कम करना।

चुनौतियाँ

① **तकनीकी** – निष्कर्षण एवं पता लगाने में तकनीक की आवश्यकता।
② **वित्तीय** – इसके निष्कर्षण में वित्त की आवश्यकता
③ प्रज्वलन के प्रदूषण होने का खतरा
④ आस-पास के लोगों का विस्थापन एवं पुनर्वास।
⑤ भारी मशीनों की आवश्यकता एवं इनका आयात।
⑥ **अन्य** → पर्यावरणीय स्वीकृति की कमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आगे की राह
- → अन्वेषण पर जोर
- → अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग
- → समर्पित राष्ट्रीय नीति

अतः प्राकृतिक गैस हाइड्रेट्स पर ध्यान देना समय की आवश्यकता है जिससे ऊर्जा का संधारणीय उपयोग सुनिश्चित हो सके।